

# सीता मुरली नव सृष्टि फाउंडेशन

ग्राम— जटही, पो०—परसाही प्रखंड—खुटौना, जिला—मधुबनी

## वार्षिक कार्य प्रगति प्रतिवेदन 2019-20

सीमित सरकारी अनुदान के एवं सामाजिक सहयोग के बूते संस्था अपने क्षमतानुसार यथासंभव बेहतर प्रसार करते हुए वर्ष भर विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम, क्रीड़ा प्रतियोगिता, सांस्कृतिक गतिविधियाँ सम्बंधित अनेक कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया। इनमें प्रमुख का विवरण कुछ इस प्रकार है :-

### पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम:-

प्राकृतिक चिकित्सा, योग और पर्यावरण सुरक्षा के उद्देश्य से विभिन्न ग्राम पंचायतों में गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित कर ग्रामिणों के बीच रैली, पदयात्रा संगोष्ठी, सवाल-जवाब आदि प्रश्नोत्तरी कार्यशाला आयोजित किया गया।

### महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम:-

छात्राओं किशोरियों एवं महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को एक सम्मेलन आयोजित कर महिला उत्पीड़न, घरेलू हिंसा के खिलाफ, दहेज उन्मूलन, बाल-विवाह रोकथाम, नशा मुक्ति आदि विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा-परिचर्चा का सफल कार्यक्रम हुआ।

### मानवधिकार जागरूकता कार्यक्रम:-

10 दिसम्बर को संस्था के सैकड़ों स्वयंसेवकों को एक बैठक आयोजित कर मानवाधिकार के विभिन्न पहलुओं पर परिसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

### हुनर विकास एवं स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम:-

भीखनी महेश्वर ग्रामीण युवा विकास संस्थान, जटही में हुनर विकास एवं स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 50 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया एवं उनके व्यक्तित्व विकास हेतु उन्हें प्रेरित व उत्साहित किया गया।

### खेल कुद कार्यक्रम:-

बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु देशी यथा कबड्डी फूटबॉल, बैट-मिंटन, आदि एवं शारीरिक विकास हेतु खेल-कूद विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

### सिलाई-कटाई एवं उत्पाद केन्द्र:-

संस्था के प्रयास से विभिन्न गाँव के युवक-युवतियों को सिलाई-कटाई का प्रशिक्षण देकर उन्हें रेडीमेड वस्त्रों के निर्माण एवं उत्पादन केन्द्र विकसित करने हेतु प्रेरित किया गया। मधुबनी पेंटिंग एवं हस्तकला विकास कार्यक्रमों विभिन्न महिला समूहों को मिथिला पेंटिंग, गोदना पेंटिंग, सिक्की कला, सुजनी कला स्वेटर बुनाई एवं अन्य हस्तकला सम्बंधित प्रशिक्षण दिया गया। उनके बीच मेहंदी लगाओ प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी।

### कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम:-

सूचना क्रांति के युग में सूचना तंत्र का भरपूर लाभ उठाने के उद्देश्य से एवं तकनीकी शिक्षा के बढ़ावा के दृष्टिकोण से छात्रों-छात्राओं एवं इच्छुक ग्रामीणजनों को कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम निःशुल्क दिया गया।

### सांगठनिक विकास एवं नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम:-

विभिन्न प्रकार के कर्मकारों, व्यवसायियों एवं उद्यमियों को सांगठनिक महत्व समझाते हुए उन्हें सांगठनिक विकास हेतु प्रेरित किया गया तथा उनमें नेतृत्व कौशल प्रशिक्षण दिया गया ताकि वे सदैव आगे बढ़ सकें।

### ग्रामीण विकास एवं कृषि सम्बन्धी कार्यक्रम:-

किसानों को विभिन्न प्रकार के जैविक कृषि, उन्नत कृषि तकनीकों से अवगत कराते हुए उन्हें प्रखंड व जिला के सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया गया।

### सांस्कृतिक कार्यक्रम:-

विभिन्न मौकों पर सत्संग, गायन, वादन कार्यक्रम एवं प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।

### स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्यक्रम:-

स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के सम्बन्ध को जनता के बीच प्रसारित कर उन्हें तन-मन-जीवन और पर्यावरण को स्वस्थ, स्वच्छ और संतुलित रखने हेतु वर्षभर प्रेरणा प्रशिक्षण, कार्यशाला व कार्यक्रम आयोजित किये गए।

### निःशुल्क प्राकृतिक चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर:-

जिले के विभिन्न हिस्सों में दो दिवसीय, त्रिदिवसीय, पांच दिवसीय व सप्ताहिक निःशुल्क प्राकृतिक चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर लगाये गये जिसमें हजारों लोग लाभान्वित हुए। इस कार्यक्रम में विभिन्न जागरूकता पत्रक, पदयात्रा, रैली, पुस्तक वितरण आदि कार्य सफलतापूर्वक संपादित किये गये।

### योग प्रशिक्षण कार्यक्रम:-

संस्था द्वारा एक वर्षीय प्राकृतिक चिकित्सा योग प्रशिक्षण कार्यक्रम अति न्यून दर पर देकर जन सामान्य को निःशुल्क योग प्रशिक्षण देने हेतु विभिन्न शिविरों का आयोजन हुआ। इसमें सैकड़ों जन लाभान्वित हुए। बिना सरकार के सहयोग के मधुबनी हवाई अड्डा में मिथिला प्राकृतिक चिकित्सा योग शोध संस्थान मधुबनी द्वारा हजारों लाभार्थियों को निःशुल्क योग प्रशिक्षण व स्वास्थ्य लाभ डॉक्टर उमेश कुमार उषाकर एवं डॉक्टर कुमारी मालविका के नेतृत्व में कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभियास विधान पार्षद सुमन महासेठ एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री विद्या नन्द ठाकुर की उपस्थिति में दिया गया।

इस प्रकार जन सहयोग के दम पर संस्थान ने सराहनीय प्रयास किया है।